हाँ कवच धारण से मेरी भी जिन्दगी संवरी

अष्ट लक्ष्मी कवच ने किये वारे-न्यारे

पडित जी, चरण स्पर्श! मैं कुणाल गिरी, दिल्ली में गाईड का काम करता हूं। विदेशियों को देहली और अन्य जगहों पर भ्रमण के लिए ले जाना यही मेरा कार्य है। लेकिन पिछला वर्ष बहुत मंदी में बीता। पर्यटकों की कमी और शायद किस्मत की मार भी कह लें। फिर दीपावली के एक महीने पहले ही मैं घर पर आ गया और अपने भविष्य के बारे में विचार करने लगा। तभी एक दिन शाम के समय मैंने टी.वी. पर पं. कमल श्रीमालीजी का प्रोग्राम समय देखा उससे मुझे बहुत प्रेरणा मिली। रात-भर सोच विचार करने बाद मेरे दिमाग में अष्टलक्ष्मी कवच धारण करने की बात चढ़ी। मैंने अपने माता-पिता से विचार-विमर्श करने के पश्चात् वह कवच विश्व तंत्र ज्योतिष के कार्यालय से मंगवाया। कवच मिलते ही मैंने उसे धारण कर लिया। दीपावली गुजर जाने के बाद मैं अपने काम पर वापिस दिल्ली लौटा। मैंने अपना काम जल्दी ही शुरू कर दिया। महीना भर के बाद मेरे काम में तेजी आने लगी। कमीशन ज्यादा मिलने लगा। चारों ओर से पैसे की बरसात होने लगी। अगले पांच-छः महीनों में पिछले साल की सारी कसर निकल गई। लगता था इस बार दीपावली बड़ी धूमधाम से मनेगी। मैं दिल से कहता हूं कि अष्ट लक्ष्मी कवच ने तो मेरे वारे-न्यारे ही कर दिये।

कुणाल गिरी, दिल्ली

सौंदर्य आकर्षण सम्मोहन कवच ने किया मेरा पूर्ण कायाकल्प

पूज्य गुरूजी, शत् शत् नमन। मैं मनीषा चक्रवर्ती कवच स्तंभ के अंतर्गत अपने साथ हुए कुछ अनुभव बांटने की इजाजत चाहती हूं। गुरूजी सौंदर्य आकर्षण कवच धारण करने के बाद मुझ में जो परिवर्तन हुआ है बस उसी की कुछ यादें मैं आप सबके सामने अवतरित कर रही हूं। मैं सांवले रंग की लड़की हूं। दूसरी लड़कियों की तरह मेरा रंग साफ नहीं है। लेकिन मेरी हाईट व पर्सनेलिटी बिलकुल ठीक है। लेकिन मेरा चेहरा हर समय मात खाया हुआ रहता था। बिल्कुल ऐसा लगता हैं जैसे बीमारी से उठा इंसान हो। मुंह पर आंखों के नीचे थोड़ा डार्कनेस भी था। अपनी इस स्थिति के कारण मैं दूसरों से मुंह छुपाती थी। बस स्कूल से सीधा घर और कहीं पर नहीं जाती थी। मुझे अपनी सहेलियों को देखकर बहुत जलन होती थी। मैंने हजारों रूपये कॉस्मेटिक तथा मेकअप सामग्री पर बरबाद कर दिये लेकिन मैं अपने चेहरे को वो लुक नहीं दे पाई। मेरा चेहरा उन चीजों से ज्यादा ही खराब हुआ। एक दिन हमारे ताईजी हमारे घर पर आये बस उन्हीं के द्वारा आपकी संस्था का जिक्र चला। उन्होंने मुझे फोन नं. देकर बोला, तूने सभी उपाय तो कर लिये। तो मेरे कहने से एक यह तरीका भी आजमा कर देख ले। मैंने कवच मंगवाने की पूरी तैयारी कर ली थी। बस पापा से इजाजत लेना बाकी थी। जब शाम को पापा घर पर आये तो मम्मी ने उनसे इस बारे में बातचीत करके उनकी इजाजत ले ली। कुछ दिन बाद ही कवच भी डाक द्वारा मिल गया। मैंने एक बार कवच को भगवान के चरणों में रखकर मन ही मन भगवान से प्रार्थना कर उसको धारण कर लिया। कुछ दिन बाद ही मुझे अपने चेहरे पर परिवर्तन दिखाई देने लगा। मेरी आंखों के नीचे काले धब्बे हल्के पड़ गये थे। समय के साथ-साथ चेहरा खिलने लगा। इस बात

का पता मुझे मेरी मम्मी व सहेलियों के कमेंट्स से भी चल गया। आप विश्वास मानें 4 महीनों में मेरे चेहरे में आकर्षण लौट आया। अब मैं भी अपनी सहेलियों की तरह बिंदास जिंदगी गुजार रही हूं। गुरूजी आपके इस चमत्कारी कवच ने तो मेरे सारे ख्वाब पूरे कर दिये। मैं किन लफ्जों में आपका धन्यवाद करूं, मेरे लिए तो आप किसी फरिश्ते से कम नहीं हैं।

मनीषा चक्रवर्ती, कोलकाता, पं. बंगाल

धनकुबेर कवच धारण करने से मेरे व्यापार में वृद्धि हुई

हम पुणे से पत्र लिख रहे हैं। जब से धनकुबेर कवच धारण किया है, तब से इतनी जबरदस्त आय हुई है कि मैं वर्णन नहीं कर सकता। ऐसी कमाई तो पिछले ढाई सालों में नहीं हुई थी। जब हमने अपनी दुकान लगाई तब कोई डेढ़-दो साल ही दुकान अच्छी चली। फिर तो उसमें गिरावट आती रही। बस घर में किसी तरह गुजर-बसर हो रही थी। एक दिन जब मैं घर पर था तो दोपहर में धार्मिक चैनल देख रहा था। उसी समय श्रीमालीजी का प्रोग्राम देखा बस उसी से हमको धनकुबेर कवच के बारे में जानकारी मिली। तभी हमने निश्चय किया कि एक-दो रोज में हम कवच का ऑर्डर दे देंगे। दो दिन बाद ही मैंने विश्व तंत्र ज्योतिष की संस्था में फोन द्वारा ऑर्डर बुक करवा दिया। लगभग दस दिनों के बाद मुझे कवच मिला। मैंने कवच अपने पुरोहित के हाथों धारण किया। कवच धारण करने की बात मैं बिल्कुल भूल गया और अपने धंधे में व्यस्त हो गया। तभी मुझे महसूस हुआ कि आजकल ग्राहकों का दबाव बहुत बढ़ गया है। दुकान पर २ लड़के तो काम कर ही रहे थे एक और रखा। धीरे-धीरे दुकान में और तेजी आने लगी। सीजन में तो मेरा खूब माल बिका। आपको कैसे बताऊं इस बार तो साक्षात् कुबेर जी स्वतः मेरी दुकान में विराजमान हो गये हो, ऐसा लगने लगा। मैंने मन ही मन भगवान को धन्यवाद दिया। बस तब से आपकी कृपा से हमारी शॉप बहुत अच्छी चल रही है।

बालमुकुन्द शमा, पुणे, महाराष्ट्र

नवनिधिपति कुबेर कवच धारण करने से व्यापार में चौतरफा फायदा हुआ

परम आदरणीय पं. कमल श्रीमालीजी, नमस्कार! मैं इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट का कारोबार करता हूं। अभी कुछ समय पहले शेयरों में आई मंदी की वजह से कारोबार का ग्राफ काफी नीचे चला गया था। जिसकी वजह से मैं परेशान था। मैं कारोबार को काफी आगे ले जाना चाहता था। लेकिन रास्ता नहीं बन रहा था। नई पार्टियां जुड़ नहीं रही थी। यह बात दीपावली के समय की है। एक दिन मैंने आपको टी.वी. पर देखा जिसमें आप नवनिधिपति कुबेर कवच के बारे में बता रहे थे। जब मैंने कवच की इतनी महिमा सुनी तो मुझसे रहा नहीं गया और वह कवच शीघ्र ही आपके यहां से बनवाने के लिए ऑर्डर दे दिया। कवच करीब २० दिन में मुझे कोरियर सेवा से मिला। मैंने तुरंत अपने घरेलू ब्राह्मण को फोन करके बुलाया तथा विधि-विधान के साथ कवच गले में धारण किया। मैं फिर से अपने काम में व्यस्त हो गया। तभी एक दिन अचानक मेरे सेक्रेटरी ने कहा कि कुछ फोरेन कस्टमर की कल शाम को मीटिंग है। मुझे टाईम बताया गया। ठीक समय पर मीटिंग शुरू हुई। उनकी तरफ से बहुत ही बड़ा एक्सपोर्ट का ऑर्डर दिया गया। तथा एक बार माल सही सलामत पहुंच जाये सभी को पसंद आ जाये तो आपके लिए यह रेगूलर कर दिया जायेगा। हमारी ओर से वह ऑर्डर कुछ ही दिनों में पूरा कर दिया गया और कुछ दिन बाद उनका अच्छा रेस्पोंस देखने को मिला। उन्होंने अपना आर्डर नियमित रूप से भेजने का कान्ट्रेक्ट साइन कर लिया। अभी एक मसला भी पूरा नहीं हुआ था कि कुछ और बड़ी पार्टियां भी मेरी कंपनी से जुड़ने के लिए तैयार बैठी थी। हमारे लिए सभी की डिमांड पूरी कर पाना असंभव कार्य था फिर भी मैंने कोशिश करके सभी की डिमांड पूरी की। ईश्वर की कृपा से उस समय कंपनी को बहुत बड़ा प्राफिट हुआ। चारों तरफ से मुनाफा ही मुनाफा होने लगा। इस मुनाफे का २ प्रतिशत मैंने आपके संस्थान को भेजने का निर्णय लिया है। इतनी आश्चर्यजनक रूप से कारोबार में प्रगति मैंने प्रथम बार अनुभव की थी। लेकिन इन सबका एक ही कारण था जो मेरे गले में विद्यमान था, नवनिधिपति कुबेर कवच जिसकी कृपा मुझ पर टूट कर बरस रही थी।

भरत सिन्हा, बैंगलोर, कर्नाटक

अष्टलक्ष्मी कवच ने उलझन समाप्त की

गुरुदेव पं. कमल श्रीमालीजी को मेरी ओर से नमस्कार! मैं अपना अनुभव आप सभी के साथ बाँटना चाहता हूँ। मेरा नाम राघव भाई है। एक बार मैं देहली से बॉम्बे जाते समय फ्लाइट में पं. कमल श्रीमालीजी से मिला था। आपस में बातचीत के दौरान मुझे मालूम चला कि आप ज्योतिषी हैं तब मैंने अपने विषय में कुछ बातें आपसे जाननी चाही, उस समय मैंने अपने बिजनेस की कुछ समस्या आपको बताई उसके बदले में आपने सिर्फ इतना ही कहा था कि आप अष्टलक्ष्मी कवच धारण कर लें और आपके द्वारा बताई गई तारीख का इंतजार करें। सभी कुछ आपके फेवर में होगा। आपकी उलझनें समाप्त हो जायेगी। उन्होंने मुझे अपने कार्यालय के नम्बर दिये। मैंने वहाँ कॉल कर अष्टलक्ष्मी कवच के बारे में जानकारी लेकर अष्टलक्ष्मी कवच का ऑर्डर कर दिया। कवच मुझे कुछ ही दिनों में प्राप्त हो गया। मैंने कवच के साथ दी गई विधि के मुताबिक कवच को अपने गले में पहन लिया। समय तेजी से निकलता जा रहा था। और श्रीमालीजी द्वारा बताया गया वो वक्त भी आ गया था। श्रीमालीजी आपके द्वारा कही गई एक-एक बात सही साबित हो रही है। इस समय मेरे बिसनेज में आ रही परेशानियाँ हल हो गई है। मेरी सारी उलझनें समाप्त हो गई है। आपका बताया हुआ समय भी आया हुआ है जिसमें मुझे भारी मुनाफा भी हुआ हैं। गुरुजी, हम चाहते हैं कि आप एक बार हमारी कंपनी में आये और हमें वास्तु के भी कुछ टिप्स बतायें जिससे हमें आपका अनुकरण कुछ हद तक मिल जाये। मेरी समस्या का समाधान करने के लिए मैं आपका जितना आभार प्रकट करुँ कम है। गुरुजी मैं आपसे अपने बच्चों के भविष्य के बारे में जानने के लिए जल्द ही मिलुंगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। राघव भाई, जामनगर, गुजरात

अष्टलक्ष्मी कवच धारण करने मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ

आरदणीय गुरुजी, प्रणाम! मेरी पत्र लिखने के एक साल पहले आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। मेरे पिताजी के दो लड़के और एक लड़की है। जिसमें मैं सबसे बड़ा हूँ और घर में मैं ही कमाने वाला हूँ। पिताजी के घुटनों में दर्द के कारण उन्होंने काम करना छोड़ दिया। मेरे दोनों भाई-बहन पढ़ाई करते हैं। मैं मकान बनाने का कॉन्ट्रेक्ट लेता हूँ, मेरे पिताजी भी यही काम करते थे। अभी पिछले एक साल से मेरे पास बहुत ही कम काम था। मैंने सोचा शायद अभी मेरा समय खराब चल रहा होगा। एक दिन मेरे पिताजी ने टी.वी. पर अष्टलक्ष्मी कवच के बारे में देखा तो उन्होंने मुझे इसके बारे में बताया लेकिन मैंने ध्यान नहीं दिया। फिर भी मेरे पिताजी ने मेरे लिये अष्टलक्ष्मी कवच मंगवा लिया और स्वयं ने ही मेरे गले में पहनाया। मुझे स्वयं को यकीन नहीं हो रहा था कि ऐसा भी हो सकता है, उसी दिन मुझे दो बड़े कॉन्ट्रेक्ट मिल गये। इन कामों के बाद मेरी जान-पहचान भी अच्छी हो गई। यह सभी माँ लक्ष्मी के आशीर्वाद का ही कमाल है। इसके लिये मैं गुरुजी का जितना धन्यवाद करुं उतना कम है। धन्यवाद। राकेश कुमार, अंबाला

सौन्दर्य आकर्षण सम्मोहन कवच धारण करने से मुझमें आकर्षण बढ़ा

गुरुजी मेरे शादी को ५ साल हो गये हैं। शादी से पहले मैं बिलकुल अट्रेक्टिव थी और मुझे पहली नजर में देखकर ही मेरे पति ने मुझे पसंद कर लिया था। शादी के बाद २ साल में दो बच्चे हुए। जिसका असर मेरी सेहत पर भी पड़ा। मैंने कितनी ही औरतों को देखा है जिनके बच्चे होने के बाद भी उनके रंग रूप में कोई परिवर्तन नहीं हुआ, लेकिन मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ। दो बच्चे हो जाने के बाद मैं काफी कमजोर हो गई। चेहरे से चमक एकदम गायब हो गई। मैं बिल्कुल भी

अट्रेक्टिव नहीं रही थी। हर समय थकी-थकी सी रहती थी। शायद इसी वजह से मेरे पति भी मुझसे खिंचे-खिंचे नजर आते थे। उनको आकर्षित करने के भी मैंने बहुत जतन किये परन्तु कोई अनुकूल परिणाम प्राप्त नहीं हुआ। मैं इसी चिंता में रात-दिन घुलती रहती थी। एक दिन की बात है मैं पड़ौस में ही अपनी सहेली के घर गई हुई थी। मैं जब उसके घर पहुंची तो वह एक प्रोग्राम देखने में व्यस्त थी। मेरे आने का भी उसे ध्यान नहीं रहा। मैं भी चुपचाप बैठकर प्रोग्राम देखने लगी। प्रोग्राम के आखिर में पं. कमल श्रीमालीजी ने कवच के बारे में जानकारी दी। जो मेरे दिल में घर कर गई। मैंने शीघ्रातिशीघ्र श्रीमाली जी के कार्यालय से कवच मंगवाकर धारण किया। कवच धारण करने का लाभ मुझे उस वक्त मालूम चला जब एक दिन मेरे पति ने मुझसे कहा कि आजकल तुम खूबसूरत दिखने लगी हो। जब मैंने गौर से आईना देखा तो मुझे लगा कि मुझमें पहले से काफी बदलाव आ चुका है। धीरे-धीरे मेरे चेहरे का आकर्षण लौट आया। मैं फिर से सुंदर दिखने लगी। अब मुझमें काफी चुस्ती-फुर्ती भी आ गई थी। इस बदलाव ने मेरे पति का ध्यान फिर से खींच लिया है। मेरे जिंदगी में खुशियां लौटाने के लिए आपकी हृदय से ऋणी हूँ। विजयालक्ष्मी, खुर्दा, उड़ीसा

गृह क्लेश निवारण कवच से घर का क्लेश खत्म हुआ

पूज्य गुरुजी, मैंने आपकी संस्था से गृहक्लेश कवच मंगवाया। उसका फायदा हमें सीधे तौर पर मिला है। जब से गृह क्लेश कवच मैंने धारण किया है। मेरी बोलने की क्षमता में काफी कमी आई है। पहले मैं बहुत ज्यादा बात करता था। बात क्या करता था सभी पर चिढ़ता रहता था। मेरे माता-पिता तथा मेरी पत्नी सभी मुझसे परेशान थे। वह चाहते थे कि मैं ऑफिस से आने के बाद शांत रहूं लेकिन क्या पता नहीं मुझे क्या हो जाता था कि मैं ऑफिस में आते ही सभी पर चिढ़ना चालू कर देता। यहाँ तक की सब्जी की बात पर भी नाराज हो जाता। मेरे माता पिता ने मुझे काफी समझाया कि बेटा अपना दिमाग ठंडा रखा कर। तू घर पर आते ही लड़ाई झगड़े शुरू कर देता हैं। हम तो तेरे आने से डरते हैं। मैं लाख सुधरने का वादा करता लेकिन मैं अपने आप पर काबू नहीं रख पाता और रोज के वही हालात हो जाते। एक दिन मेरे पिताजी ने मेरे नाम से गृह क्लेश कवच बनवाकर मेरे गले में पहना दिया। बस तभी से मेरी हालत में परिवर्तन होने लगा। मेरा स्वभाव बदलने लगा। मैं चाहकर भी किसी को बुरा भला नहीं कह सकता था। ऐसा लगता जैसे मेरी जिह्वा पर किसी ने ताला लगा दिया हो। ऐसे धीरे-धीरे करते मेरी लड़ने-झगड़ने बात-बात पर खफा होने की आदत चली गई। मेरे पिताजी इस पत्रिका के काफी पुराने पाठक हैं इस पत्रिका में पढ़कर ही उन्होंने मेरे लिए यह कवच मंगवाया तथा मुझे शांति का मार्ग प्रदान किया। सारा क्लेश ही मेरे द्वारा ही हुआ करता था। जब मैं ही शांत हूं तो बाकी सभी खुश हैं। गुरुजी इस गृह क्लेश कवच ने तो मेरे घर सारा क्लेश ही खत्म कर दिया। ऐसे प्रभावशाली कवच का निर्माण करने के लिए आपको और आपको संस्था को बार-बार नमस्कार।

अरुण सिंह, बैंगलोर, कर्नाटक

शिवगौरी कवच धारण करने से शादी में आ रही बाधाओं का निवारण हुआ

पं. कमल श्रीमालीजी को श्रद्धापूर्वक नमस्कार। मैं अपनी लड़की की शादी न होने की वजह से बहुत परेशान रहती थी। उसकी उम्र भी २७ वर्ष पार कर चुकी थी। रिश्ते तो खूब आते थे लेकिन एक भी मैच नहीं कर पा रहे थे। कभी लड़के वाले मना कर देते तो कभी हमें नहीं जंचता। इस देखा-देखी में लड़की की उम्र भी ज्यादा हो गई। अब तो परिवार में जाने में भी शर्म महसूस होने लगी थी। सभी कहते कि लड़की को बोले नखरे करते-करते तेरा बुढ़ापा आ जायेगा और जो मिल रहा था वो भी नसीब नहीं होगा। हमें भी यह बात सही लगती पर क्या करें, कुछ समझ में नही आ रहा था। पता नहीं क्या परेशानी थी कि विवाह में विलंब होता जा रहा था। एक दिन हमें आस्था टीवी. के माध्यम से हमें शिवगौरी कवच के बारे में पता चला। सोचा चलो यह भी करके देख लेते हैं। हमने जल्दी ही उस कवच को भी मंगवा कर लड़की के गले में पहना दिया। कवच पहनाने के पश्चात् दो महीने गुजर चुके थे। हमें लगा यह भी काम नहीं करेगा और हम तो कवच के बारे में भूल भी गये थे लेकिन तीन महीने बाद ही कवच ने अपना प्रभाव दिखलाना आरंभ किया। जो अच्छे रिश्ते नहीं हो सके थे वो भी वापिस आने लगे। एक-दो रिश्ते मेरे पति के मित्रों के मार्फत आये। बस हमने उसमें से ही एक लड़के को पसंद किया और बात पक्की कर दी। अभी नवम्बर २०१७ में उसकी शादी हुई है। श्रीमालीजी हम आपके अत्यंत आभारी हैं जो आपने हमारी खुशियों को पूरा किया। आपको लाख-लाख धन्यवाद।

निहारिका तिवारी, कटक, उड़ीसा

''गोमती चक्र मुद्रिका/पैंडल''

रोग मुक्ति, शत्रु नाश, नौकरी, उन्नत्ति, दाम्पत्य सुख, व्यापार वृद्धि में सहायक

जीवन में हमें अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कुछ परेशानियां स्वयं ही समाप्त हो जाती हैं जबकि कुछ समस्याओं के निदान के लिए विशेष प्रयास करने पड़ते हैं। तंत्र शास्त्र के माध्यम से जीवन की कई समस्याओं का निदान किया जा सकता है। गोमती चक्र एक ऐसी दुर्लभ वस्तु है और आसानी से प्राप्त नहीं होती। जिसका उपयोग तंत्र क्रियाओं में किया जाता है। यह बहुत ही साधारण सा दिखने वाला पत्थर है लेकिन यह बहुत प्रभावशाली है। गोमती चक्र धारण करने से मानसिक शांति, रोग और भय से मुक्ति, दरिद्रता से मुक्ति, कोर्ट-कचहरी के मामलों में राहत, भूत-प्रेत बाधा, शत्रु पीड़ा, दाम्पत्य सुख, संतान प्राप्ति और खास कर धन संचय में इसकी सिद्धि के विषय में अनेको मत-मतान्तर देखे जाते हैं। कुछ इसे स्वयं सिद्ध बताते हैं तो कही इसकी सिद्धि के निर्देश मिलते हैं। होली, दीपावली, नवरात्रि आदि प्रमुख त्यौहारों पर गोमती चक्र की विशेष पूजा की जाती है। अन्य विभिन्न मुहूर्त्तों के अवसर पर भी इनकी पूजा लाभदायक मानी जाती है जैसे-गुरुपुष्य, सर्वार्थसिद्धि योग तथा रविपुष्य योग पर इनकी पूजा करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है- खासकर मारण, सम्मोहन, वशीकरण, स्तम्भन, उच्चाटन जैसे प्रयोग में और व्यापार वृद्धि, अचल-स्थिर लक्ष्मी, शत्रु भय, पीड़ा, देह व्याधि, दुस्वप्न जैसे विषयों में इसका प्रयोग अत्यंत प्रभाव से देखा गया है, लेकिन अभिमंत्रित करने से गोमती चक्र का प्रभाव सौ गुना बढ़ जाता है।

गोमती चक्र न्यौछावर-2100/-अंगूठी, लॉकेट-1500/-

सम्पर्क करें:- **विश्व तंत्र ज्योतिष**

प्लॉट नं.-1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज मैन गेट के पास, जोधपुर-342001 (राज.)
0291-2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्स : 0291-2618625
Email : tantravtj@yahoo.co.in Visit us : www.fameandfortune.org

आप सीधे ही 'विश्व तंत्र-ज्योतिष' के बैंक एकाउन्ट में भी पैसा जमा करवा सकते हैं।
आपकी सुविधा के लिये बैंक एकाउन्ट नम्बर इस प्रकार हैं
STATE BANK OF INDIA A/C NO. 100-563-410-66
(All Amount Payble at Jodhpur Account)